>

Title: Need to provide stoppage to Kanpur Shatabdi Express train at Etawah Station in Uttar Pradesh.

श्री प्रेमदास (इटावा): माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान रेल विभाग की तरफ ले जाना चाहता हूं। मैं कहना चाहूंगा कि जब रेल का आविष्कार हुआ, उस समय देश की आबादी 15 करोड़ थी और जब हिन्दुस्तान आजाद हुआ, तब देश की आबादी 34 करोड़ थी। आज देश की आबादी 120 करोड़ से ऊपर पहुंच गयी है।

माननीय सभापति जी, जिस रेशियो में जनसंख्या बढ़ी, उस रेशियो में रेल की सुविधाएं नहीं बढ़ीं। मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि एक ट्रेन चलती है, तो उसमें अमीर और गरीब दोनों लोग चलते हैं, लेकिन गरीबों के लिए कोई जगह नहीं है। अमीर लोग तो अपना रिजर्वेशन करा लेते हैं, आराम से चले जाते हैं। ...(व्यवधान) मेरी आपके द्वारा मांग है कि गाड़ी में जनरल डिब्बे बढ़ाये जायें। इसके अलावा हमारे इटावा लोक सभा क्षेत्र में इटावा स्टेशन पड़ता है। कानपुर से दिल्ली के लिए एक शताब्दी चलती है। इसके बीच में इटावा पड़ता है। यह आदर्श स्टेशन है, जो भिंड को भी जोड़ता है। अभी एमपी साहब 92 नैशनल राजमार्ग के बारे में कह रहे थे। वह भिंड, फरुखाबाद और मैनपुरी को भी जोड़ता है। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय: आप अपनी मांग रखिए।

श्री प्रेमदास: मेरी मांग है कि कानपुर शताब्दी एक्सप्रैस इटावा रोकी जाये। इसके अलावा मेरे क्षेत्र में अछलदा एक स्टेशन पड़ता है। क्षेत्र के तमाम लोगों को उससे आना-जाना पड़ता है। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप इसकी मांग रख सकते हैं। आप एक मांग रखिये।

श्री प्रेमदास: मेरी मांग है कि कानपुर शताब्दी इटावा रोकी जाये और गोमती एक्सप्रैस अछलदा पर रोकी जाये।

माननीय सभापति महोदय, जब हम बोलते हैं तब आप हमें शार्ट में बोलने के लिए कहते हैं। हम नये मैम्बर हैं, इसलिए आप हमें बोलने का समय तो दें।